उड़ जाएगा हंस अकेला उड़ जाएगा भजन लिरिक्स

उड़ जाएगा हंस अकेला,
उड़ जाएगा,
उड़ जाएगा उड़ जाएगा,
उड़ जाएगा उड़ जाएगा,
जग दर्शन का मेला,
उड़ जाएगा,
उड़ जाएगा हँस अकेला,
उड़ जाएगा।bd।

छूटेंगे महल अटारी,
छूटेगी दुनिया सारी,
कुटुंब कबीला छूटे-छूटे,
बचपन दिन संग खेला रे,
उड़ जाएगा हँस अकेला,
उड़ जाएगा।bd।

जब होवे उम्मर पूरी,
जब छूटे हुकम हजूरी,
यम के दूत बड़े मजबूत,
जम से पड़ा झमेला रे,
उड़ जाएगा हँस अकेला,
उड़ जाएगा।bd।

हर के कबीर गुण गावे,
वा हर को पार ना पाए,
गुरू की करनी गुरु जाएगा,
चेला की करनी चेला रे,
उड़ जाएगा हँस अकेला,
उड़ जाएगा।bd।

उड़ जाएगा हंस अकेला,
उड़ जाएगा,
उड़ जाएगा उड़ जाएगा,
उड़ जाएगा उड़ जाएगा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जग दर्शन का मेला,
उड़ जाएगा,
उड़ जाएगा हँस अकेला,
उड़ जाएगा।bd।

गायक – दीपक भिलाला।
प्रेषक / संगीत – विजय गोथरवाल।
9826447996

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com